वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 85 | शुक्रवार 19 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

हरियालो राजस्थान (एक पेड़ मां के नाम)

प्रदेश में 7 अगस्त को हरियाली तीज पर 1 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाएंगे

वन विभाग 60 लाख पौधों, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग 40 लाख पौधों तथा शिक्षा सहित अन्य विभाग भी पौधों का वृक्षारोपण करेंगे। सभी जिला कलक्टरों को वीसी के माध्यम से दिए दिशा-निर्देश

जयपुर. शाबाश इंडिया

अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज अभय कुमार ने गुरूवार को कहा कि प्रदेश में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत 7 अगस्त हरियाली तीज के शुभ अवसर पर प्रदेश में 1 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्व में ही आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि समय रहते पौधों के लिए गढ्ढे खोदे जाए। साथ ही यदि किसी जिले में पौधों की उपलब्धता नहीं है तो पूर्व में ही सूचित करें ताकि समय रहते उपलब्ध कराए जा सकें। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इस महत्वाकांक्षी पहल को सफल बनाने के लिए सभी जिलों के कलेक्टरों को शासन सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रदेश को हरियाली से भरने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान में हमारा लक्ष्य न केवल अधिक से अधिक पौधे लगाना है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि वे पौधे जीवित रहें और फल-फूल सकें। सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में इस अभियान को सफलता पूर्वक लागू करे और इसकी निगरानी करें। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि इस कार्यक्रम में महिलाओं की विशेष भागीदारी सुनिश्चित की जाए। जिसमें महिला जनप्रतिनिधि, महिला अधिकारी/कर्मचारी, लखपति दीदी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका, आशा सहयोगिनी, राजीविका सखी, नरेगा महिला मेट, महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्य, स्कूल एवं कॉलेज की छात्राएं आदि हर स्तर के कार्यक्रम में भागीदारी हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण अभियान में महिलाओं को जोड़ा जाए। साथ ही जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हुए प्रत्येक गांव में वृक्षारोपण किया जाए। उन्होंने कहा कि राजीविका की महिलाएं इस कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग ले, यह सुनिश्चित किया जाए। ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़ कर भाग ले और प्रदेश को हरा-भरा बनाने में अपना योगदान दे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी ने कहा कि वन विभाग द्वारा 7 अगस्त से वृक्षारोपण के दौरान लगने वाले पौधे वन भूमि में ही लगाए जाऐंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि इस दिन बड़े स्तर पर वृक्षारोपण होना है। अतः श्रमिकों की समस्या नहीं हो यह सुनिश्चित किया जाए। शासन सचिव, पंचायती राज रवि जैन ने कहा कि पौधों के वृक्षारोपण के बाद उन्हें फोटो सहित राज जिओ ट्री एप पर अपलोड करें। इस महत्वपूर्ण अभियान में ग्रामीण एवं पंचायती राज, राजीविका, जलग्रहण विकास, शिक्षा, कृषि एवं उद्यानिकी, वन एवं पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, सार्वजनिक निर्माण, एनएएचआई, उद्योग, रीको, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, जल संसाधन, चिकित्सा, खनिज, नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन सहित अन्य विभागों की भागीदारी रहेगी।

हिन्दुस्तान स्काउट गाइड ने देवनानी का जताया आभार

मानव सेवा और प्रकृति संरक्षण के लिए तत्पर रहें : देवनानी

जयपुर. कासं। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का हिन्दुस्तान स्काउट गाइड संगठन ने आभार जताया। संगठन के पदाधिकारियों ने गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष देवनानी से मुलाकात की। पदाधिकारियों ने देवनानी को बताया कि राजस्थान की कल्याणकारी राज्य सरकार द्वारा संस्था के लिए अनुदान नियम बनाने के साथ चार करोड रुपए अनुदान दिये जाने की घोषणा की है। संगठन ने इसके लिए अध्यक्ष देवनानी और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि स्काउट गाइड सेवाभावी संगठन है। युवा पीढी में राष्ट्र प्रथम की भावना व उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए संगठन को निरन्तर कार्य करना होगा। संगठन युवा पीढी में नैतिक मूल्यों, स्वावलम्बन के लिए रचनात्मक गतिविधियों का भी संचालन करें। देवनानी ने युवाओं के विकास के लिए स्काउट गाइड को राष्ट्रव्यापी आन्दोलन बताते हुए कहा कि युवा पीढी में संस्कार निर्माण के लिए संगठन को कार्य करना चाहिए। देवनानी ने कहा कि स्काउट गाइड मानव सेवा और प्रकृति संरक्षण के लिए तत्पर रहें। सभी मिल-जुलकर राष्ट्र और समाज के विकास के लिए कार्य करें। जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए भी तैयार रहे। इस अवसर पर राज्य सचिव नरेंद्र औदिच्य, राज्य संगठन आयुक्त रिपुदमन सिंह गिल, राज्य संगठन आयुक्त गाइड कविता जैन, सहायक सचिव समन्वयक विजय दाधीच, सहायक राज्य संगठन आयुक्त मनोज कुमार त्रिवेदी सहित स्काउट गाइड उपस्थित थे।

दशाहूमड़ नर्सिंग कॉलेज संचालन समिति अध्यक्ष का फैडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज द्वारा बहुमान किया

हूमड़पूरम. शाबाश इंडिया

हूमड़पूरम मे संचालित दशा हूमड़ नर्सिंग कॉलेज संस्थान के नव मनोनीत अध्यक्ष सी ए सौरव जैन तलवाड़ा का फैडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की ओर से बहुमान किया गया। फैडरेशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजीत कोठिया ने समाज के युवा सी ए सौरव जैन को माल्यार्पण कर एवं उपारणा ओढ़ा कर बहुमानित किया। कोठिया ने विश्वास व्यक्त किया कि सौरव जैन के नेतृत्व में दशाहूमड जी एन एम नर्सिंग कॉलेज स्वर्णिम सफलता प्राप्त करेगा। कोठिया ने मुनि दर्पण निशुल्क मासिक पत्रिका की प्रति भी भेट कर अगला विशेषांक मुनि अजित सागर विशेषांक प्रकाशित करने की सूचना दी। सम्मान हेतु सौरव जैन ने अजीत कोठिया एवं फैडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज का आभार व्यक्त किया।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल की जन सेवा जारी

क्लब सदस्यों ने सहयोग कर विप्र कन्या का कराया विवाह

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेन्ट्रल द्वारा देवशयनी एकादशी के विवाह सावे पर एक विप्र कन्या (ब्राह्मण कन्या) के विवाह में सहायता कर समाज सेवा का कार्य किया ' अध्यक्ष मधु ललित बाहेती ने बताया कि क्लब सदस्य लायन रेखा और राजकुमार कहलिया द्वारा यजमानी लेकर विवाह में नकद राशि, दैनिक उपयोग के सामान भेट कर के सहायता की गई।

विनय और नम्रता रखने वाला व्यक्ति जगत मे महान बनता है: साध्वी डॉ.प्रितीसुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

विनय और नम्रता रखने वाला व्यक्ति जगत मे महान बनता है। गुरुवार पंचायती नोहरा मे चातुमार्सार्थ पधारी प्रंखर वक्ता डॉ.प्रितीसुधा ने आयोजित धर्मसभा मे श्रध्दालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सच्चे अर्थ मे मनुष्य को बड़ा और महान बनना है तो उसे जीवन मे नम्रता ओर विनय आने पर ही वो संसार मे महान बन सकता है विनम्र व्यक्ति दूसरों की राय का सम्मान करता है और हमेशा सिखने को तत्पर रहता है नम्रता और विनयता के गुण अगर व्यक्ति नही है तो वह सम्मान प्राप्त नहीं कर सकता है। आज मनुष्य छोटी सी उपलब्धि प्राप्त करने पर इतना अंहकार और घंमड करता कि दुनिया उसके सिवा बड़ा और महान इंसान नहीं है।

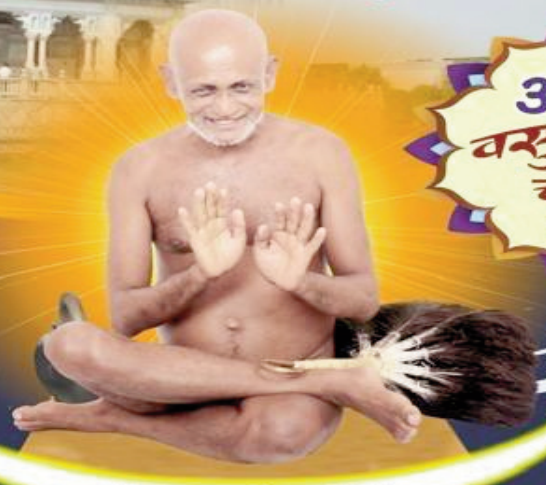

जैनम् जयतु शासनम्
णमो जिणाणं
विश्व-कल्याण-कारकम्
सस्नेह आमंत्रण
भिण्ड 1989
टीकमगढ़ 1990
श्रेयांसगिरी 1991
द्रोणगिरी 1992
श्रेयांसगिरी 1993
सागर 1994
ललितपुर 1995
दमोह 1996
गढ़ाकोटा 1997
श्रेयांसगिरी 1998
फिरोजाबाद 1999
टूण्डला 2000
ग्रीन पार्क, दिल्ली 2001
मेरठ 2002
मेरठ 2003
कृष्णा नगर दिल्ली 2004
शौरीपुर 2005
तिजारा जी 2006
मथुरा चौरासी 2007
तिजारा जी 2008
मेरठ 2009
बौलखेड़ा 2010
हस्तिनापुर 2011
फिरोजाबाद 2012
बौलखेड़ा 2013
अजमेर 2014
जयपुर 2015
बौलखेड़ा 2016
ग्रीन पार्क, दिल्ली 2017
अजमेर 2018
नोएडा से.50 2019
बौलखेड़ा 2020
तपोवन 2021
मुम्बई 2022
2023
काँच नगरी में कोहिनूर
36 वाँ वसुनन्दीमय चातुर्मास फिरोजाबाद
भारतवर्ष की वसुंधरा का विशिष्ट स्थान, तीर्थकरों की पदरज से पावन, उ.प्र. की सौभाग्य युक्त सुहागनगरी चन्द्रनगर फिरोजाबाद में
12 वर्ष बाद होगा संस्कारों का शंखनाद
चातुर्मास - २०२४
हेतु पधारेंगे नगरवासियों के भगवान
चन्द्रनगर में चन्द्रोदय
चातुर्मासरत साधक
आपका आगमन
हमारा अहो भाग्य.....
आपका सौभाग्य....
परम पूज्य तपकराज शिरोमणी सिद्धान्त चक्रवर्ती राष्ट्रसंत आचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज के मंगल आशीर्वाद से उनके परम प्रभावक सुयोग्य शिष्य
प.पू. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री १०८ वसुनन्दी जी मुनिराज (ससंघ) का
मंगल कलश स्थापना समारोह
एवं गुरु पूर्णिमा महोत्सव
रविवार, दिनांक 21 जुलाई 2024 प्रातः 11:00 बजे से
धर्म स्नेही महानुभाव! सादर जय जिनेन्द्र,
महापुण्योदय से सम्यक् संगति का दुर्लभ अवसर प्राप्त करते हुए प.पू. श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज की असीम अनुकम्पा से उ.प्र. की धर्म नगरी फिरोजाबाद को प.पू. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज (ससंघ) का मंगलमय वर्षायोग का संयोग मिला है। चातुर्मास ही ऐसा विशेष अवसर है जिसके माध्यम से संतों की संगति को प्राप्त करके भव्य जीवों को सम्यक् मार्ग का दिग्दर्शन हुआ करता है। आप सभी इस ज्ञान की वर्षा में स्नान करके स्वयं को पावन और पवित्र करें एवं हमारा भावभीना निमंत्रण व आतिथ्य स्वीकार करके हमें अनुग्रहित करें। आप भी साक्षी बनें। भौतिकता एवं आध्यात्मिकता के महामंगल मिलन के और पुण्यार्जन करें।
प्रतिष्ठाचार्य
पं. मनोज जैन शास्त्री (अहार जी)
चातुर्मास स्थल
श्री छदामीलाल दिगम्बर जैन मन्दिर
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
मंगलमय पदों का मंगल पदार्पण
भव्य मंगल प्रवेश
बुधवार 17 जुलाई 2024
जाप्यानुष्ठान कलश
वाचना कलश
मुख्य कलश
संगोष्ठी कलश
आ. विद्यानंद कलश
48 दिवसीय श्री जिनेन्द्र महार्चना
(22 जुलाई से 6 सित. प्रातः 6:00 बजे से)
चातुर्मास की अमृत वर्षा
वर्षायोग के विशेष आयाम
आचार्य पदारोहण शताब्दी महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत
आचार्य श्री शांतिसागर राष्ट्रीय पुरस्कार
(समाज सेवा के उपलक्ष्य में)
श्रीमान पदमचंद जी जैन 'बिलाला' जयपुर (राज.)
जन्म जयंती शताब्दी महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत
आचार्य श्री विद्यानंद पुरस्कार
श्रीमान नलिन रसिकलाल शाह, भयंदर, मुम्बई (महाराष्ट्र)
मुनिसंघ की दैनिक चर्या
हर घर मंगल होए, हर घर मंगल कलश होए
सौभाग्य वर्द्धक मंगल कलश
कूपन राशि मात्र रू. 3100/-
पिच्छिका परिवर्तन के अवसर पर
(सभी कूपन धारकों को कलश दिया जायेगा)
ध्वजारोहणकर्ता
पाण्डाल उद्घाटनकर्ता
प्रत्येक रविवार परम पूज्य आचार्य श्री के विशेष मीठे प्रवचन
उपसंघों का चातुर्मास
चातुर्मासिक वाचनायें
प्रवचनरूप-वैराग्यमणिमाला
माध्याहिक स्वाध्यान-श्री समयसार
सम्पूर्ण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जायेगा
जिनवाणी JINVANI
https://acharyavasunandi.com/
https://www.shreevasuvidya.com
आयोजक : आचार्य श्री वसुनन्दी जी चातुर्मास समिति २०२४, फिरोजाबाद
तत्वाधान : श्री दिगम्बर जैन परिषद, फिरोजाबाद
अध्यक्ष संभव प्रकाश जैन 9837054652
महामंत्री अजय कुमार जैन एड. 9412265525
कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार जैन जी.एम. 9012089569
अध्यक्ष विनोद जैन मिलेनियम
महामंत्री अजय कुमार जैन एड. 9412265525
कोषाध्यक्ष ललितेश जैन (दुर्गेश) 9837044541
निवेदक : सकल जैन समाज फिरोजाबाद

वेद ज्ञान

मानव स्वभाव में विनम्रता का बेहद महत्वपूर्ण स्थान

मानव स्वभाव में विनम्रता का बेहद महत्वपूर्ण स्थान है। विनम्रता का यह गुण जन्मजात नहीं होता, मानव स्वभाव में विनम्रता धीरे-धीरे ही विकसित होती है। जब वह जड़ें जमा लेती है, तो फिर वह आदत बन जाती है। दूरदर्शी माता-पिता अपने परिजनों को सद्गुणों की सपत्ति हस्तगत करते रहे हैं। इस गुण-संपत्ति के आधार पर मानव विकास के पथ पर अग्रसर होता है। सज्जनता का प्रथम सोपान विनम्रता से शुरू होता है। समान आयु के यहां तक कि छोटों के साथ भी वार्तालाप और व्यवहार इस प्रकार किया जाना चाहिए जैसे उनके महत्व को स्वीकार कर सम्मान दिया जा रहा हो। इसके लिए प्राथमिक प्रयोग यह है कि वाणी से मधुर वचन कहे जाएं। किसी को यह अनुभव न होने दिया जाए कि उसे उपेक्षा की दृष्टि से देखा जा रहा है। वह इस कटु प्रतिक्रिया को भूल नहीं पाता और उससे चिपका रहता है। मनुष्य सम्मान चाहता है। यह उसकी आत्मिक आवश्यकता है। मानव आत्मा महान है और उसका अपना गौरव है। भले ही दुगुर्णों के कारण उसे धूमिल कर लिया गया हो, फिर भी यह प्रवृत्ति बनी रहती है और वह उस ओर आकर्षित होती है, जिस ओर सम्मान मिलता है। आवश्यक नहीं कि किसी की सहायता की जाए और उसकी इच्छानुसार सहयोग दिया जाए। इसके लिए उसे अच्छा या खराब कहने की आवश्यकता नहीं है। इस संदर्भ में अपनी विवशता बताते हुए भी इन्कार किया जा सकता है और उसे इस योग्य समझकर आशा लेकर आने के लिए धन्यवाद दिया जा सकता है। आगंतुक के आने पर उसे छोटे-बड़े का ध्यान रखे बगैर नमस्कार कहना, बैठने के लिए आसन देना और आगमन की प्रसन्नता प्रकट करते हुए समाचार पूछना, यह एक सामान्य शिष्टाचार है। ऐसा व्यवहार तो प्रत्येक के साथ होना चाहिए कि किस कारण आगमन हुआ है? मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं? इसमें कुछ पूंजी नहीं लगती, पर अपनी छाप दूसरों पर पड़ती है। लोक व्यवहार की दृष्टि से भी शिष्टाचार का पालन आवश्यक है। इससे दूसरे व्यक्ति को अपनी सज्जनता की छाप स्वीकारते बनती है और मित्र बनते हैं।

संपादकीय

स्थानीय लोगों को आरक्षण देने की कवायद

कर्नाटक में निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने की कवायद पर जहां खुशी का इजहार किया जा रहा है, वहीं इसके विरोधी भी कम नहीं हैं। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तो एक्स पर आधिकारिक रूप से एक संदेश भी पोस्ट कर दिया था। संदेश बहुत स्पष्ट था कि कर्नाटक में सी और डी ग्रेड की तमाम निजी नौकरियों में स्थानीय लोगों को 100 फीसदी आरक्षण मिलेगा। यह खबर जंगल में आग की तरह फैली और मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट हटा ली। अब कर्नाटक सरकार की ओर से जो आधिकारिक बयान जारी हुआ है, उसके अनुसार, राज्य में निजी कंपनियों की नौकरी में स्थानीय लोगों को आरक्षण दिया जाएगा। यह आरक्षण गैर-प्रबंधन भूमिकाओं के लिए 70 प्रतिशत और प्रबंधन स्तर के पदों के लिए 50 प्रतिशत है। दरअसल, कर्नाटक तेजी से उभरता हुआ राज्य है और बड़ी संख्या में यहां आईटी कंपनियां सक्रिय हैं, जिनमें बड़ी संख्या में अन्य राज्यों के लोग काम कर रहे हैं। जब इन तमाम कंपनियों में आरक्षण लागू हो जाएगा, तब जाहिर है, कर्नाटक के बाहर से आए लोगों के लिए वहां रोजगार के अवसर कम हो जाएंगे। कर्नाटक का यह फैसला स्थानीय रूप से भले ही वहां की राजनीति को पसंद आए, पर यदि अपेक्षाकृत रूप से विकसित हर राज्य ऐसे ही आरक्षण का सहारा लेने लगे, तो उन राज्यों का क्या होगा, जो पिछड़े हुए हैं और जहां जरूरत के हिसाब से बहुत कम रोजगार उपलब्ध है? मुख्यमंत्री ने यह भी

घोषणा की थी कि ‘हमारी सरकार की आकांक्षा है कि कन्नड़ भूमि में किसी भी कन्नड़ को नौकरी से वंचित नहीं किया जाना चाहिए, ताकि वे शांतिपूर्ण जीवन जी सकें। हमारी सरकार कन्नड़ समर्थक है।’ वास्तव में कर्नाटक राज्य अपने इस मकसद को पूरा करने के लिए कानून बनाने जा रहा है और इस विधेयक की समीक्षा अवश्य होनी चाहिए। स्थानीय लोगों को खुश करने के लिए अगर यह आदर्श विधेयक है, तो क्यों न हरेक राज्य इस लागू करें? हालांकि, इसमें उन राज्यों को बहुत नुकसान होगा, जहां निजी नौकरियां कम हैं। सरकारी स्तर पर तो समय-समय पर कुछ राज्य स्थानीय लोगों को खुश करने की कोशिश करते रहे हैं, लेकिन निजी क्षेत्र के सहारे स्थानीय लोगों को खुश करने की यह कोशिश काबिल-ए-गौर है। विरोध के बावजूद, लगभग तय है कि यह रोजगार संबंधी विधेयक गुरुवार को कर्नाटक विधानसभा में पेश कर दिया जाएगा। दरअसल, यह मामला केवल स्थानीय राजनीति से नहीं, बल्कि भाषा की राजनीति से भी जुड़ा है। कर्नाटक सरकार यह कोशिश कर रही है कि राज्य में नौकरी के लिए कन्नड़ ज्ञान को अनिवार्य बना दिया जाए। वैसे, राज्य के ही कई उद्यमियों ने इस कदम पर आपत्ति जताते हुए इसे भेदभावपूर्ण करार दिया है और आशंका जताई जा रही है कि इससे तकनीकी उद्योग को नुकसान हो सकता है। इस फैसले को फासीवादी और असांविधानिक भी कहा जा रहा है। एक आशंका यह भी है कि निजी क्षेत्र की नौकरियों में भी सरकारी अधिकारियों का दखल बढ़ जाएगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

विषमता की बुनियाद

महंगाई का सीधा असर आम उपभोक्ता के घरेलू खर्चों पर पड़ता है। इसलिए यह हैरानी का विषय नहीं कि थोक और खुदरा महंगाई की बढ़ी दरों के साथ ही उपभोक्ता व्यय के आंकड़े भी बढ़े हुए आए हैं। सरकार द्वारा जारी 2022-2023 की घरेलू खर्च रपट के मुताबिक देश के करीब आधे लोगों को तीन वक्त का भोजन नहीं मिल पाता। गांवों और शहरों में रहने वाले लोगों के बीच यह अंतर बहुत मामूली है। करीब आधी आबादी नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन नियमित नहीं कर पाती। इसकी वजह केवल बढ़ी हुई महंगाई नहीं, बल्कि आय में बढ़ती विषमता है। देश के शीर्ष पांच फीसद अमीर और पांच फीसद सबसे अमीर लोगों के घरेलू खर्च में करीब बीस गुना का अंतर है। पांच फीसद सबसे गरीब ग्रामीण लोगों का औसत घरेलू खर्च 1373 रुपए और पांच फीसद शीर्ष शहरी अमीरों का घरेलू खर्च 20824 रुपए है। इसे लेकर स्वाभाविक ही विपक्ष को सरकार पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। कांग्रेस ने पिछले दस वर्षों में बढ़ी हुई आय संबंधी विषमता का आंकड़ा पेश करते हुए सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना की है। घरेलू खर्च में बढ़ोतरी और गरीब तथा अमीर के उपभोग व्यय में भारी अंतर आर्थिक विसंगतियों को रेखांकित करता है। महंगाई और घरेलू खर्च बढ़ने से लोगों को तब परेशानी नहीं होती, जब उसी अनुपात में उनकी आमदनी बढ़ी हो। मगर पिछले पांच-सात सालों में लोगों की क्रयशक्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। कोरोना काल के बाद लाखों लोगों की नौकरियां और रोजगार छिन गए, इससे उन्हें घर का खर्च चलाना मुश्किल है। तिस पर बढ़ती महंगाई मुसीबतों का पहाड़ बन कर टूटती है। दूसरी तरफ, अमीर लोगों का घरेलू खर्च बढ़ रहा है। यानी उनकी आमदनी भी बढ़ रही है। इससे बाजार में भी विसंगतियां पैदा होती हैं। केवल अमीर लोगों के बल पर कोई बाजार नहीं टिक पाता। अमीरों की आमदनी बढ़ने से ऐशो-आराम की वस्तुओं की बिक्री जरूर बढ़ जाती है, मगर आम उपभोक्ता के बल पर खड़े खुदरा बाजार को निरंतर संघर्ष करते रहना पड़ता है। पिछले कुछ वर्षों में सृजित कुल संपत्ति का करीब चालीस फीसद हिस्सा देश के केवल एक फीसद लोगों के पास गया है। देश की सत्तर करोड़ आबादी की कुल संपत्ति के बराबर हिस्सा कुल इक्कीस अमीरों के पास है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अर्थव्यवस्था में बढ़ते एकाधिकार की वजह से महंगाई बढ़ रही है। मगर सरकार इस विसंगति को दूर करने को लेकर गंभीर नजर नहीं आती। विचित्र है कि एक तरफ तो देश को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित किया जाता है। कुछ वर्षों में देश के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने का दावा किया जा रहा है। इसके विकसित देशों की श्रेणी में शुमार होने की उम्मीद जताई जा रही है। मगर इसके बरक्स दूसरी तस्वीर यह है कि देश की आधी आबादी तीन वक्त का भोजन नहीं जुटा पाती। सरकार खुद इसे अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में रेखांकित करती है कि वह अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रही है। जब तक लोगों की क्रयशक्ति नहीं बढ़ती और आय की असमानता दूर नहीं होती, तब तक संतुलित आर्थिक विकास की उम्मीद करना मुश्किल बना रहता है।

उत्तराखंड अभिनय कार्यशाला में अभिनय की बारीकियां सिखाई

उदयपुर. शाबाश इंडिया नाट्य निर्देशक सुनील टांक को उत्तराखंड में अभिनय कार्यशाला के तहत आमंत्रित किया गया जहां सुनील टांक ने एक नया प्रयोग करते हुए नेचर वॉक थिएटर के माध्यम से अभिनय कार्यशाला में उत्तराखंड के पहाड़ों, जंगलों और नदियों में भ्रमण कराते हुए अभिनय की बारीकियां सिखाई। इस कार्यशाला में कुल 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमे युवक, युवतियां सहित कुछ बुजुर्ग भी शामिल हुए। यह कार्यशाला 15 दिवसीय थी और यह उत्तराखंड के कुछ प्रमुख जगहों पर प्रत्येक दिन अलग अलग जगह पर आयोजीत हुई। जिसमे कौसानी, गवाल्डम, बिनसांर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, कसार देवी, अल्मोड़ा, केंचीधाम, हल्द्वानी, भीमताल, काठगोदाम आदि जगह पर होती थी। यह कार्यशाला सुबह 6 बजे शुरू होती जो शाम को 6 बजे तक चलती जिसमे शाम को 8 बजे बाद कैंप फायर आयोजित किया जाता और पूरे दिन में में जो सिखाया जाता उसका प्रस्तुतिकरण होता।

पिंक क्लब का स्थापना दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। पिंक क्लब ने अपना स्थापना दिवस शिवाड़ में मनाया । अध्यक्ष सुषमा के के ने बताया बरसात के सुहावने मौसम में सबने राजस्थान के शिवाड़ जाने का निश्चय किया । इस तरह के आयोजन हमें एक दूसरे के नजदीक लाते हैं क्योंकि सुरम्य वातावरण में सब एकसाथ काफी समय बिताते हैं । सबने हाउजी , तरह तरह के आउटडोर गेम्स तो खेले ही साथ में गाने नाचकर मौसम को और रंगीन बना दिया। इस अवसर पर प्रमिला, गायत्री, डॉ उषा, रश्मि, आभा, अनीता, लता, सुषमा, अलका, सुमित्रा आदि महिलाओं ने समाँ बांध दिया ।

कपड़े की थैली मेरी सहेली अभियान का अरथूना में शुभारंभः बैनर का विमोचन किया

अरथूना. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल अरथूना द्वारा सिंगल यूज्ड प्लास्टिक प्रयोग पर रोक लगाने और इसके विकल्प के रूप मे कपड़े की थैली को प्रचार प्रसारित करने बस स्टैंड पर एक समारोह मे कपड़े की थैली मेरी सहेली बैनर का लोकार्पण गया। आयोजन के मुख्य अतिथि गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया थे तो अध्यक्षता राजमल सोनी ने की। प्रारंभ मे केंद्र सचिव दिलीप दोसी ने अतिथियों का स्वागत कर प्लास्टिक प्रयोग से होने वाले नुकसान की जानकारियां दी। अजीत कोठिया ने इस अवसर पर अपने उदबोधन मे कहा कि सिंगल यूज्ड प्लास्टिक प्रयोग बहुत हानिकारक है और इसके प्रयोग पर तत्काल रोक आवश्यक है। बाजार मे सामान, सब्जी आदि खरीदते समय कपड़े कि थैली का प्रयोग इस दिशा मै कारगर उपाय साबित हो सकता है।

विनम्र श्रद्धांजलि

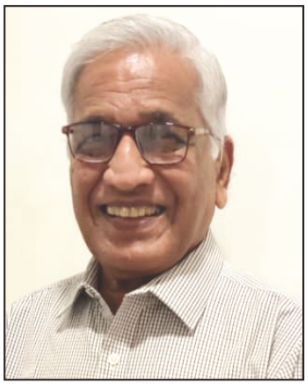

हमारे आदरणीय

श्री अमर चन्द जी गंगवाल

(सुपत्र स्व. श्री सुरेंद्र कुमार जी गंगवाल)

के आकस्मिक निधन पर हम सभी

भावभीनी श्रद्धांजलि

अर्पित करते है।

:: श्रद्धावनत ::

राजेन्द्र-सुनीता, कुसुम, भूपेन्द्र-अनीता, जिनेन्द्र-कविता, अभि-आरुषी, चार्वी, तनिष्का एवं समस्त ठोलिया परिवार (लदाने वाले)

"दो मोक्ष मार्ग की पथिक महान् विभूतियां जिनके हैं हम पर अनंत उपकार"

श्रद्धेय श्री ज्ञान चन्द्र जी बिल्टीवाला

श्रद्धेय वैद्यराज श्री सुशील कुमार जी साह

शत् शत् नमन एवम् वन्दन

भावपूर्ण विनम्र श्रद्धांजलि

श्रद्धावनत्

17 वीं पुण्यतिथि

पापा साहब

डॉ. राजकुमारी, डॉ. राजकुमार- प्रभा, जिनेन्द्र- शारदा, तेजकुमार -डॉ. बिन्नी, नवीन -सपना, हरीश- निधि, निखिल- मेघना, कोनिका, नेहा- अतुल्य (बैंगलोर), गुंजन- हर्षल (हैदराबाद), मोनिका, नमन- आयुषी, अपूर्वा- रचित, डॉ. कुनाल- नेहल, सोहम, प्रज्ञा, अतिशय, समकित, न्यायिका

एवम् समस्त बिल्टीवाला (छाबड़ा जैन) परिवारजन

Godha

तीये की बैठक

हमारे आदरणीय

श्री अमर चंद जी गंगवाल

(सुपुत्र स्व. श्री सुरेंद्र कुमार जी गंगवाल) का निधन 18-7-2024 को हो गया है। **तीये बैठक 20-7-24 को प्रातः 9 बजे भट्टारक जी की नसियां तोतूका भवन में रखी गई है।**

-: शोकाकुल :-

मनीष-सारिका (पुत्र-पुत्रवधु), विमला देवी (भाभी), अशोक, शक्ति, शान्ति विजय (भाई), लालचंद जी मुशरफ (बहनोई), कविता-जिनेंद्र जी ठोलिया (पुत्री-दामाद), उदय, युगवीर (पौत्र) चार्वी, तनिष्का (दोहिती) एवम समस्त गंगवाल परिवार। **ससुराल पक्षः** लाल चंद, सुरेश, डॉ. विनय, सुधीर, रोहित, अनिल, नीरज, निलेश सोनी एवं समस्त सोनी परिवार (मो.) 9414054369

विकास के लिए केवल भवन ही नहीं, अच्छे विचार भी जरूरी है: मुख्यमंत्री भजनलाल

लाडनूं के जैन विश्व भारती में पांच भवनों का शिलान्यास समारोह आयोजित

जगदीश यायावर. शाबाश इंडिया

लाडनूं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि केवल अच्छी सड़कें और इमारतें ही प्रदेश का पूर्ण विकास नहीं होता है, इसके लिए अच्छे विचारों का होना भी आवश्यक है।साधु-संत समाज को आगे बढाने का काम करते हैं। यह जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय शिक्षा के माध्यम से युवा पीढी को संस्कारित करने का काम कर रहा है।यहां व्यावसायिक शिक्षा ही नहीं बल्कि मानव को मानव बनाने की शिक्षा को प्रमुखता दी जाती है।देश को इसी से विश्वगुरू बनाने की तरफ बढा जा सकता है।वे यहां जैन विश्व भारती स्थित सम्पोषणम् हॉल में आयोजित शिलान्यास समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने सम्बोधन में आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ एवं आचार्य महाश्रमण और उनके विचारों व समाज हित में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख विस्तार से किया और कहा कि कहा कि मानव समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना के जागरण का काम किया।उनका सम्बोधन पूरी तरह जैन विश्व भारती, विश्वविद्यालय एवं आचार्यों की परम्परा पर केन्द्रित रहा।

एक महान सोच से बनी जैन विश्व भारती

मुख्यमंत्री शर्मा ने आचार्य तुलसी प्रणीत अणुव्रत आंदोलन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इस माध्यम से सिद्धांत पक्ष को व्यावहारिक बनाया। जैन विश्व भारती भी मानव कल्याण की मूल भावना से संस्कृति के संरक्षण का कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि भारत शिक्षा केन्द्रों व शिक्षा देने वाले देश के रूप में जाना जाता रहा है। नालंदा विश्वविद्यालय में देश-विदेश के विद्यार्थी-शिक्षार्थी शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फिर से नालंदा विश्वविद्यालय को नया जीवन देकर पुरातन संस्कृति को बहाल करने का काम किया है। इस जैन विश्व भारती की स्थापना के पीछे भी महान सोच रही है।यहां शोध का काम किया जाता है।जैन दर्शन के लिए किया रहे शोध की चर्चा सभी जगह है।उन्होंने बताया कि वे लाडनूं में यहां दूसरी बार आए हैं। पहले वे भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में आए थे, तो देखा कि लाडनूं में इतना भव्य व दिव्य संस्थान मौजूद है।यहां प्राचीन भाषा व लिपियों का कार्य, ध्यान, योग और प्राच्य विधाएं इसकी पहचान बनी हुई है। समारोह

के विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विधि मंत्री एवं जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अर्जुनराम मेघवाल ने भी जैविभा विश्वविद्यालय की सराहना की और कहा कि यहां करीब 7-8 करोड़ की लागत से नेचुरोपैथी सेंटर बनाया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इसमें नेचुरोपैथी के सब्जेक्ट शुरू करने के लिए राज्य सरकार एनओसी प्रदान करे। इस पर मुख्यमंत्री ने बैठे-बैठे ही अपनी सहमति दे दी।

!! श्री चन्द्रप्रभ स्वामिने नमः !!

मूलनायक श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान
बरकत नगर, जयपुर

श्री दिगम्बर जैन 1008 चन्द्रप्रभ मंदिर

बरकत नगर, किसान मार्ग, टोंक फाटक, जयपुर (राज.)

णमोकार भवन, अहिंसा पार्क के पास, बरकत नगर में परम पूज्य
आचार्य श्री 108 विवेक सागर जी महाराज के परम प्रभावक त्यागी एवं तपस्वी संत
मुनि श्री 108 **अर्चित सागर जी महाराज** के पावन सान्निध्य में
निरंतरता के कर्म में 15 वां

महापुण्यवर्धक वर्षायोग 2024

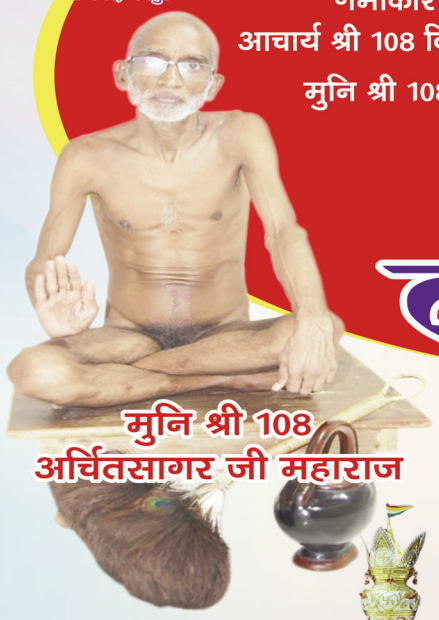

मुनि श्री 108
अर्चितसागर जी महाराज

मंगल कलश स्थापना
गुरू पूर्णिमा
रविवार, 21 जुलाई 2024
प्रातः 8.00 बजे से

चातुर्मास स्थल
णमोकार भवन
किसान मार्ग, अहिंसा पार्क के पास, बरकत नगर, जयपुर

वर्षायोग के मांगलिक कार्यक्रम

रविवार 21 जुलाई 2024	–	गुरु पूर्णिमा, मंगल कलश स्थापना, प्रातः 8 बजे से
सोमवार 22 जुलाई 2024	–	वीर शासन जयंती
रविवार 11 अगस्त 2024	–	भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक महोत्सव
गुरुवार 15 अगस्त 2024	–	स्वतंत्रता दिवस, सौभाग्य दशमीं
रविवार 18 अगस्त 2024	–	कर्म निर्जरा व्रत, सोडषकारण व्रत प्रारंभ
सोमवार 19 अगस्त 2024	–	रक्षा बंधन
रविवार 24 अगस्त 2024	–	चंदन षष्ठी व्रत
मंगलवार 27 अगस्त 2024	–	रोहिणी व्रत
गुरुवार 05 सितम्बर 2024	–	मंदिर स्थापना दिवस
शुक्रवार 06 सितम्बर 2024	–	त्रिलोक रोट तीज व चौबीसी व्रत
रविवार 08 सितम्बर 2024	–	दशलक्षण व्रत प्रारंभ
शुक्रवार 13 सितम्बर 2024	–	सुगंध दशमीं
रविवार 15 सितम्बर 2024	–	कर्म निर्झरा तेला
सोमवार 16 सितम्बर 2024	–	रत्नत्रय व्रत
मंगलवार 17 सितम्बर 2024	–	अनन्त चतुर्दशी
बुधवार 18 सितम्बर 2024	–	सोडषकारण व्रत पूर्ण, क्षमावाणी पर्व
गुरुवार 10 अक्टुबर 2024	–	दीक्षा दिवस
शनिवार 12 अक्टुबर 2024	–	दशहरा पर्व
शुक्रवार 01 नवम्बर 2024	–	भगवान महावीर स्वामी निर्वाण दिवस, शुभ दीपावली एवं चातुर्मास निष्ठापन
गुरुवार 14 नवम्बर 2024	–	जन्म जयंती गुरुदेव (मुनि श्री अर्चित सागर जी)

आयोजक –
श्री दिगम्बर जैन 1008 चन्द्रप्रभ मन्दिर प्रबन्ध समिति
टोंक फाटक, बरकत नगर, जयपुर

धर्मानुरागी मान्यवर,
सादर जय-जिनेन्द्र !

वात्सल्य आमंत्रण

अत्यन्त ही हर्षानुभूति युक्त लेख है कि विश्व कीर्तियान की परिकल्पना के परिदृश्य में धर्मनगरी जयपुर के बरकत नगर की पुण्य धरा पर श्रमण संस्कृति की अमिट छाप छोड़ते हुए वर्ष 2010 से निरंतर वर्षायोग सम्पन्न कराने का परम सौभाग्य जैन समाज बरकत नगर को प्राप्त होता आ रहा है।

इसी निरंतरता की पराकाष्ठा को छूते हुए वर्ष 2024 में भी परम पूज्य आचार्य श्रेष्ठ श्री विवेकसागर जी महाराज से दीक्षित महाज्ञानी, परम तपस्वी, छः रसों के त्यागी दिगम्बर संत मुनि श्री 108 अर्चित सागर जी महाराज का पावन वर्षायोग 2024 णमोकार भवन, बरकत नगर में सम्पन्न होने जा रहा है।

धर्म की गंगा में प्रवाहित होने के लिए पुर्ण्यार्जक परिवार, बरकत नगर समाज, अरिहंत महिला मण्डल आप सभी से सविनय आग्रह करता है कि वर्षायोग काल में सम्पन्न होने वाले समस्त कार्यक्रमों में इष्टमित्रों, परिवारजनों, सामाजिक धर्मानुरागियों सहित पधारकर सातिशयपुण्य के साथ धर्मोपार्जन कर अपने जीवन को सफल बनाएं तथा भारत में धर्मध्वजा फहरा कर जैनागम को उत्कृष्टता प्रदान करें।

दैनिक कार्यक्रम

प्रातः 6.30 बजे	– अभिषेक शांतिधारा (मंदिरजी में)
प्रातः 8.30 बजे	– मंगल प्रवचन (णमोकार भवन)
प्रातः 9.30 बजे	– आहार चर्या
मध्यान 3 से 4 बजे	– तत्व चर्चा
सायं 7 बजे	– गुरु भक्ति, आरती
रात्री 9 बजे	– वैया वृति

चातुर्मास पुण्यार्जक परिवार

श्री चक्रेश कुमार जैन
श्रीमती चेतना जैन
C.A. यथेष्ट जैन
इंजि. श्रीमती एवांशी जैन
C.A. श्री चिन्मय जैन

मुख्य संयोजक
सौरभ जैन
चातुर्मास व्यवस्था समिति
9799996500

परम संरक्षक – श्री फूलचंद जैन * संरक्षक – श्री राजेन्द्र कुमार जैन (रिटायर्ड गिरदावर) * समन्वयक – श्री सुभाषचन्द जैन (राजहंस प्रकाशन)

अध्यक्ष	संयुक्त मंत्री	कोषाध्यक्ष	आंतरिक अंकेक्षक	मंत्री
चक्रेश कुमार जैन	मुकेश कुमार जैन (मित्तल)	सतीशचन्द जैन	विमल कुमार जैन	निर्मल कुमार जैन (अलवर वाले)
9829011196	9799058730	9413237164	9929604124	9024111321

सदस्य :– योगेन्द्र कुमार जैन, महावीर प्रसाद जैन (LIC), सुशील कुमार सेठी, प्रदीप कुमार जैन, सौरभ जैन

संयोजक
धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम
सतीश जैन 'अकेला'
9829017551

अरिहंत महिला मण्डल, बरकत नगर, जयपुर * परम संरक्षिका – सरला जैन * अध्यक्ष – मैना कासलीवाल * मंत्री – श्रीमती सुनीला जैन 'बागायत वाले'

निवेदक – सकल दिगम्बर जैन समाज, अरिहंत महिला मंडल, मुनि सेवा समिति, बरकत नगर, जयपुर

सौजन्य से
होटल श्रीनाथ, स्टेशन रोड़, जयपुर
न्यू महालक्ष्मी प्रोपर्टीज, बाहुबली नगर-पत्रकार कॉलोनी, जयपुर
सिद्धान्त कॉम्पलेक्स, आदर्श बाजार, बरकत नगर

*Pragya Institute of Personality Development (200+ Award Winning Faculty & Institute)
Pragya Events * Pragya Tution & Abacus * Pragya Enterptises
Contact No.: +91-9799996500 Siddhant Complex Streat No. 6, Adarsh Bazar, Barkat Nagar, Jaipur - 302015

चित्रांकन : सतीश जैन 'अकेला' 9829017551

दो संघो का मिलन हुआ बरकत नगर में

जयपुर. शाबाश इंडिया। बरकत नगर वर्षायोग संयोजक सतीश जैन अकेला ने बताया कि णमोकार भवन में विराजित पूज्य मुनि श्री 108 अर्चित सागर जी महाराज के साथ जनकपुरी से कीर्तिनगर विहार कर रहे पूज्य मुनि श्री समत्व सागर जी एवं मुनि श्री शील सागर जी के मिलन का कार्यक्रम सम्पन्न किया हुआ। उपस्थितसभी धमार्नुरागी महामिलन के साक्षी बनकर धर्मोपार्जन किया। 18 जुलाई प्रातः 6. 35 पर जनकपुरी मंदिर से विहार कर वर्षायोग हेतु कीर्तिनगर मन्दिर की और पधार रहे थे। मार्ग में णमोकार भवन वाले तिराहे पर पूज्य संघों का भव्य मिलन हुआ।

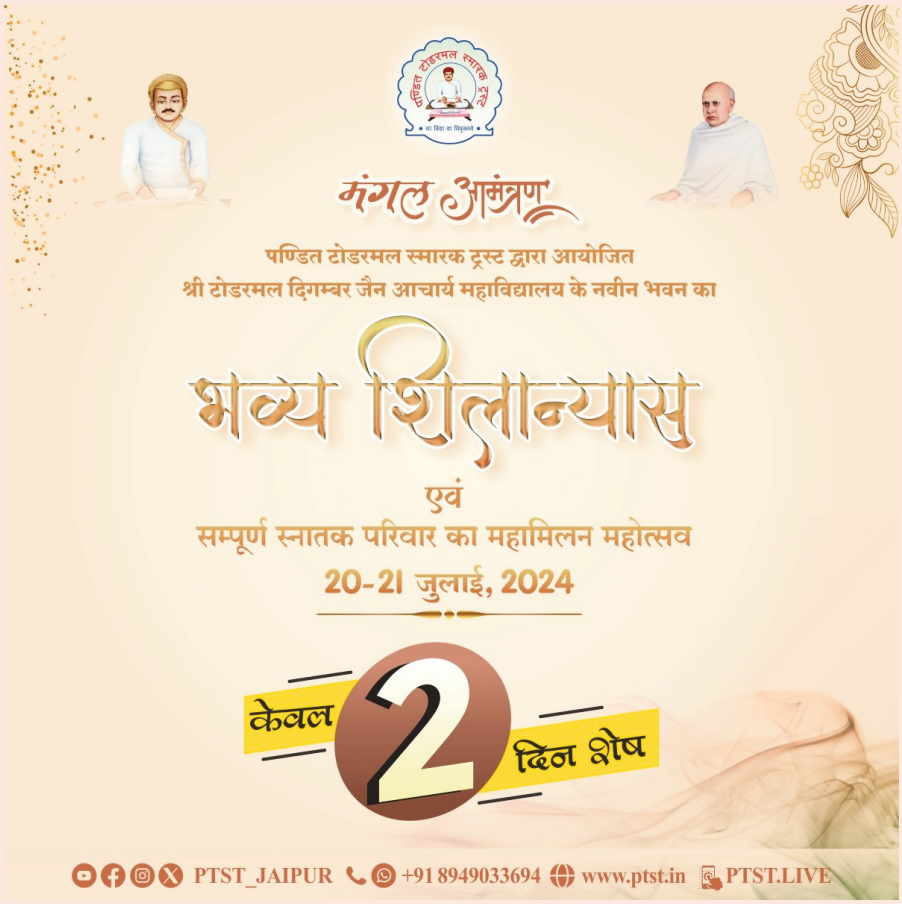

गुणायतन प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर जी का इंदौर नगर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

इंदौर. शाबाश इंडिया

मां अहिल्या की नगरी इंदौर के पुण्य उदय से श्रमण संस्कृति के महामहिम आचार्य श्री विद्यासागर जी , आचार्य श्री समय सागर जी के परम प्रभावक शिष्य मुनी श्री प्रमाण सागर जी मुनी श्री निरवेंग सागर जी, मुनी श्री संधान सागर जी क्षुल्लक श्री आदर सागर जी ,समादार सागर जी,चिदुपसागर जी, स्वरुप सागर जी,सुभग सागर जी संसघ का आज इंदौर नगर में अति भव्य मंगलमय प्रवेश हुआ । धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि उदय नगर जैन मंदिर पर मुनि संसघ की सर्व प्रथम मंगल अगवानी मुनि श्री विनम्र सागर जी ससंघ ने कर दोनों संघों का अति भव्य मंगलमय मिलन हुआ । तत्पश्चात उदय नगर मंदिर से समोशरण मंदिर जी के लिए भव्य शोभायात्रा यात्रा के साथ विहार हुआ रास्ते में जगह जगह मुनि श्री के पाद प्रक्षालन व आरती समाजजनों द्वारा उतारी गई । प्रवेश के दोरान मार्ग में लाइव भव्य रंगोली, धर्म प्रभावना समिति का बेनर ,हाथी, घोड़े सुदर्शनीय रथ,दिव्य घोष, महिला संगठन के बेंड, भटिंडा पंजाब बेंड राजशाही लवाजमा , शोभायात्रा में , महिला मंडल महिला संगठन महिला परिषद् मंगल कलश लिए हाथों में जिनशासन का पंचरगी झंडा लेकर चल रहे थे। युवा वर्ग एवं समाज जन मुनिश्री के पीछे जय घोष करते हुए चल रहे थे ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

वरिष्ठ समाजसेवी डॉ ममता जैन के निधन पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

दो दशकों से महिलाओं के सम्मान की लड़ाई लड़ रहीं थीं

साढूमल, ललितपुर. शाबाश इंडिया। शताधिक वर्षों से संचालित श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्चतर माध्यमिक संस्कृत विद्यालय साढूमल के ट्रस्टी सेठ सुधीर कुमार जैन की धर्मपत्नी, उपमान महिला संस्थान की महिला प्रमुख, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ ममता जैन के स्वर्गवास पर विद्यालय प्रबंध समिति, विद्यालय परिवार द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि समर्पित की गई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पिछले दो दशकों से महिलाओं की आजीविका, उनके सशक्तिकरण व महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, शोषण व शराब बंदी पर लंबे समय से डॉ ममता जैन झांसी काम कर रहीं थीं। उनके द्वारा किए गए कार्य बुंदेलखंड में हमेशा याद किए जाएंगे। श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्चतर माध्यमिक संस्कृत विद्यालय साढूमल की ओर से हेड ट्रस्टी डॉ सुनील जी सेठ भोपाल, ट्रस्टीगण श्री कंछेदी सिंघई मड़ावरा, देवेंद्र जैन झंडा, डॉ सुनील संचय, विद्यालय के अध्यक्ष वर्द्धमान जैन, मंत्री राजेश जैन, प्रबंधक कमल कुमार जैन, पंडित संतोष शास्त्री सौरई, कोषाध्यक्ष दीपक जैन बन्दी, लेखा निरीक्षक डॉ शिखर चंद्र सिलोनिया, उपाध्यक्ष भजनलाल जैन, अधिष्ठाता रतनचंद जैन गौना, उप अधिष्ठाता गुलाब चंद बरचौन, उपमंत्री अनिल जैन बेसरा, प्रधानाचार्य राजेन्द्र जैन, पूर्व प्राचार्य विनीत जैन आदि ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। झांसी में आयोजित बुंदेलखंड के विभिन्न सामाजिक शैक्षिक संगठनों, संस्था प्रमुखों की श्रद्धांजलि सभा में डॉ ममता जैन की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष एक पुरस्कार देने की घोषणा भी की गई।

संगिनी मेट्रो ने किया स्कूल के बच्चों को स्टेशनरी-फल वितरण

स्कूल परिसर में किया पौधारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव एवं समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं की संस्था संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो जयपुर के तत्वावधान में सामाजिक एवं मानव सेवार्थ कार्यक्रमों की शृंखला में राजकीय उच्च विद्यालय नरसिंहपुरा महल गांव जगतपुरा के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को आवश्यक स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया गया। इस मौके पर सभी छात्र - छात्राओं को मिठाई, फल एवं बिस्कुट आदि का वितरित किए गए। विद्यालय के बच्चों को फल ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा एवं स्टेशनरी मोना जैन महल योजना की तरफ से वितरित की गई। इस मौके पर विद्यालय परिसर में संगिनी सदस्याओं द्वारा पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष अंबिका सेठी, पूर्व अध्यक्ष मैना जैन, संयुक्त सचिव नीतू जैन , कोषाध्यक्ष दीपा गोधा, मोना जैन, दीपा जैन,संध्या जैन ट्विंकल जैन, ऋतु जैन, आदि सदस्याओ ने अपनी सहभागिता निभाई। अध्यक्ष अम्बिका सेठी ने सामाजिक कार्य में सहयोग करने के लिए संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा, मोना जैन एवं संध्या जैन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिव मंदिर जवाहर कॉलोनी में 17वां पाटोत्सव एवं प्रथम रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। टोंक रोड स्थित जवाहर नगर कॉलोनी शिव मंदिर में धूमधाम से पाटोत्सव मनाया गया और प्रथम रक्तदान का आयोजन किया गया । मंदिर समिति के सदस्य पंच दिनेश ने बताया कि शाम को 4:00 बजे महिला मंडल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। जिसमें श्री अलबेली माधुरी शरण महाराज व गोपाल शरण जी महाराज के सानिध्य में भजन संध्या और भोजन प्रसादी की भव्य प्रस्तुति हुई। श्याम सेवा महोत्सव सेवा समिति के ओमप्रकाश मोदी के नेतृत्व में ब्लड कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 52 यूनिट रक्त एकत्र हुआ और 96 लोगों ने आवेदन किया और स्टार हॉस्पिटल द्वारा पौधा वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रेम सिंह शेखावत, गोपाल गुप्ता, बृज बिहारी, ओम प्रकाश, शीतल और सभी कार्यकारिणी के सदस्य विकास समिति मौजूद थे।

सार्थक मानव कुष्ठाश्रम द्वारा अखिल भारतीय कुष्ठ रोग उन्मूलन अधिवेशन आयोजित

कुष्ठ रोगियों की पहचान और इलाज के साथ उनके पुनर्वास के लिए हो प्रभावी कार्य: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

सार्थक मानव कुष्ठाश्रम द्वारा अखिल भारतीय कुष्ठ रोग उन्मूलन अधिवेशन आयोजित हुआ। समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि कुष्ठ रोगियों की पहचान और इलाज के साथ-साथ उनके पुनर्वास के लिए भी प्रभावी प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि साझा प्रयास के अंतर्गत सरकार और आम जन की भागीदारी हो तो कुष्ठ रोग से मुक्ति के पथ पर राष्ट्र तेजी से अग्रसर हो सकता है। उन्होंने कुष्ठ रोगियों के कौशल विकास के अधिकाधिक कार्यक्रम चलाए जाने और उन्हे आत्मनिर्भर बनाए जाने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाने का आह्वान किया। मिश्र गुरुवार को सार्थक मानव कुष्ठाश्रम द्वारा राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित अखिल भारतीय कुष्ठ रोग उन्मूलन अधिवेशन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग का इलाज जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्व इस रोग से जुड़े लोगों की सेवा करना भी है। उन्होंने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा के साथ कुष्ठ रोग पीडितों का पुनरोद्धार भी बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि मंदिर में जाकर पूजा और यज्ञ करने से जो पुण्य प्राप्त होता है, वहीं पुण्य दीन-दुखियों की सेवा करने और उनको सम्मान से जीवन जीने के अवसर प्रदान करने से मिलता है। उन्होंने सार्थक मानव कुष्ठाश्रम की कुष्ठ रोग उन्मूलन, उनके स्वावलंबन और वृद्धाश्रम संचालन गतिविधियों की सराहना की। मिश्र ने चिंता जताई कि विश्व की कुल कुष्ठ जनसंख्या का लगभग आधा भाग दुर्भाग्य से हमारे देश में है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पूरे विश्व में 120 से अधिक देशों में यह रोग फैला हुआ है। हर साल 2 लाख से अधिक नए कुष्ठ रोग के मामले सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए कुष्ठ रोग के इलाज के लिएं व्यावहारिक प्रयास किए जाएं, इसमें जन भागीदारी को बढ़ाया जाए। राज्यपाल ने सार्थक मानव कुष्ठाश्रम द्वारा की जा रही सेवा से प्रेरणा लेकर जर्मन महिला थिया कोसे मुकली द्वारा श्लेबेन ओहने लेप्राश की स्थापना और उनकी पुत्री एस्ट्रिड मुकली के कार्यों को अनुकरणीय बताया। उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक ने कुष्ठ रोग उन्मूलन के लिए वातावरण निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने कुष्ठ रोग निवारण के लिए महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश तथा देशभर में हो रहे प्रयासों में अपनी भागीदारी के अनुभव भी साझा किए। अपाल की अध्यक्ष श्रीमती माया रनावरे जी, सार्थक मानव कुष्ठाश्रम के संरक्षक, के. एल. जैन और महावीर विकलांग संस्थान के संरक्षक डा. डी. आर. मेहता ने भी कुष्ठ रोग निदान के लिए कार्य करने पर विचार रखे। आरंभ में सार्थक मानव कुष्ठाश्रम के अध्यक्ष सुरेश कौल ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्य पढ़कर सुनाए। अधिवेशन के तकनीकी सत्र में कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों की सामाजिक, आर्थिक स्थितिं से जुड़े मुद्दों, नागरिक एजेंसियों द्वारा शुरू किए गए कल्याणकारी उपायों, इससे जुड़े कानूनों, कुष्ठरोग से प्रभावित व्यक्तियों के समक्ष भेदभाव और भविष्य की आने वाली चुनौतियों पर विषय विशेषज्ञों ने विचार रखे।

राजेश व्यास/ब्रजेश सामरिया

संगिनी मेट्रो ने किया स्कूल के बच्चों को स्टेशनरी- फल वितरण

स्कूल परिसर में किया पौधारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव एवं समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं की संस्था संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो जयपुर के तत्वावधान में सामाजिक एवं मानव सेवार्थ कार्यक्रमों की शृंखला में राजकीय उच्च विद्यालय नरसिंहपुरा महल गांव जगतपुरा के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को आवश्यक स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया गया। इस मौके पर सभी छात्र - छात्राओं को मिठाई, फल एवं बिस्कुट आदि का वितरित किए गए। विद्यालय के बच्चों को फल ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा एवं स्टेशनरी मोना जैन महल योजना की तरफ से वितरित की गई। इस मौके पर विद्यालय परिसर में संगिनी सदस्याओं द्वारा पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष अंबिका सेठी, पूर्व अध्यक्ष मैना जैन, संयुक्त सचिव नीतू जैन , कोषाध्यक्ष दीपा गोधा, मोना जैन, दीपा जैन,संध्या जैन ट्विंकल जैन, ऋतु जैन, आदि सदस्याओ ने अपनी सहभागिता निभाई। अध्यक्ष अम्बिका सेठी ने सामाजिक कार्य में सहयोग करने के लिए संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा, मोना जैन एवं संध्या जैन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

देहदानी परिवारों का सम्मान समारोह होगा 18 अगस्त को

शहर के आराध्य श्रीगोविन्द देवजी को दिया निमंत्रण

जयपुर. शाबाश इंडिया। देहदान- नेत्रदान- त्वचा दान व रक्तदान के क्षेत्र में गत 31 वर्षों से कार्य कर रही जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल संस्था के बैनर तले आगामी 17 अगस्त को अंगदान- देहदान- त्वचा दान - नेत्रदान जागृति संगोष्ठी राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में व 18 को बिरला ऑडिटोरियम में देहदानी परिवारों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर 250 देहदानी और 22 त्वचादानी परिवारों का सम्मान किया जाएगा। आयोजन में केन्द्र व राज्य सरकार के मंत्री, सामाजिक, चिकित्सा संस्थानों के प्रतिनिधियों की भाग लेने की संभावना है। इस कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र श्री गोविंद देव जी के श्री चरणों में अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस आयोजन के बहुरंगीय पोस्टर का विमाचन आज श्री गोविन्द देव जी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी, शकुन समूह के निदेशक गोकुलदास माहेश्वरी,ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष कमल संचेती,अध्यक्ष संजय सिंह बैद, ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष, सी ए अशोक हरकावत, प्रदीप भंडारी , सुधेंद्र चोरडिया, हीरा सिंह बैद, कार्यकारिणी सदस्य सुमन्त जैन नवीन डोसी मौजूद रहे। संस्थापक अध्यक्ष कमल संचेती नें बताया कि पूरे भारतवर्ष में जो संस्थाएं अंगदान, नेत्रदान- त्वचा दान व रक्तदान क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है, उनके साथ 16-17 अगस्त को एक कॉन्क्लेव का भी आयोजन किया जाएगा। कॉन्क्लेव में इस कार्य के प्रति कैसे जागरूक किया जाए,इस पर चिंतन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्था के प्रयास से अब तक 250 देहदान विभिन्न मेडिकल कॉलेज में, 22 त्वचा दान एमएमएस मेडिकल कॉलेज में, 3300 से अधिक नेत्रदान एस एम एस हॉस्पिटल व राजस्थान आई बैंक सोसायटी को करवाए जा चुके हैं ।साथ ही 15 हजार से अधिक रक्तदान भी विभिन्न शिविरों के माध्यम से संस्था के सौजन्य से करवाए गए हैं ।

विमर्श जागृति महिला मंच की विनयांजलि सभा आयोजित

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

विमर्श जागृति महिला मंच की मीटिंग का आयोजन थूबोंन जी क्षेत्र भवन में किया गया। अध्यक्ष प्रीति मोहरी एवं मंत्री रूबी करैया ने बताया कि मीटिंग की शुरूआत दीप प्रज्जवलन से हुई। उसके बाद आगामी प्रोजेक्ट पौधरोपण के बारे में चर्चा की जाकर शीघ्र यह कार्यक्रम आयोजन का निर्णय लिया गया । पदाधिकारियों ने सभी से आगामी 22 जुलाई को कृष्णा नगर दिल्ली में आयोजित श्रमणाचार्य विमर्श सागर जी महाराज ससंघ के चातुर्मास कलश स्थापना समारोह में सहभागिता करने का अनूरोध किया। इस अवसर पर समाधिस्त गणाचार्य विराग सागर जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें भावपूर्वक विनयांजलि दी गई ।सभा में पूजा देरखा, वैशाली बॉझल, मधुलिका सराफ, अर्चना भारत, समता, शिखा,श्वेता,रेखा, वंदना,सरोज,पूनम, रजनी सहित अन्य सदस्याएँ उपस्थित थी।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

यदि हम सोचने का ढंग बदल लें... तो जिन्दगी हमारी उत्सव बन जाये..!

जो स्वयं के बारे में हित और अहित की बात ना सोच सके, वो जीवन ऐसा है जैसे -- धोबी का गधा ना घर का, ना घाट का। अरे बाबु ! तुम तो समझदार हो, बुद्धि जीवी हो। तुम तो स्वयं के बारे में अच्छा--बुरा सोच सकते हो। बुरे से बच सकते हो। अच्छे को कर सकते हो। तुम्हारे साथ तो गधे जैसी कोई मजबूरी नहीं है। फिर क्यों तुम घर और घाट के बीच में भटक रहे हो। गलत फहमियों में जी रहे हो। तुम कौन हुये ? पता है ? -- गधा। गधा किसे कहते हैं ? 'ग' याने गलत 'ध' धारणा। जो गलत धारणा में जीता है, वो गधा है। गधे की अनेक गलत धारणाएं हैं, जैसे - जब बह चौराहे पर खड़े होकर पंचम स्वर में अलाप भरता है, तो वह अपने आप को अनुराधा पौडवाल से कम नहीं समझता -- ये पहली गलत धारणा। दूसरी -- जब वह गांव के बाहर धूल में लौटता है, तो वह अपने आप को अमिताभ बच्चन का बाप से कम नहीं समझता है। तीसरी -- गधे को 'वैशाखी नन्दन' कहते हैं। पता है क्यों ? गधा वैशाख माह में मोटा और आषाढ़ में पतला हो जाता है। इसलिए कि वह सोचता है देखो - मैंने पूरी हरी घास खा ली, यह सोचकर मोटा हो जाता है। और आषाढ़ यानि बरसात में चारों ओर हरियाली देखकर पतला हो जाता है, इतनी हरी घास मैं कैसे खाऊँगा- ? दिन रात इसी चिन्ता में वह एकदम कमजोर हो जाता है। अब मैं तुमसे कह रहा हूँ - यदि तुम्हारे मन में, अपने प्रति, अपनों के प्रति, पड़ोसी के प्रति, परिवार के प्रति, मित्रो के प्रति, गुरु या धर्म के प्रति गलत धारणा रखते हो या तुम गलत धारणा में जीते हो, तो तुम भी .. नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

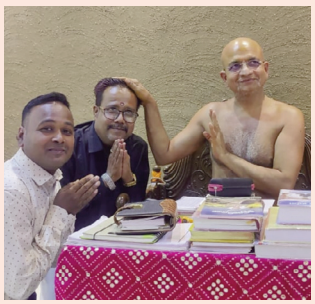

तीये की बैठक

हमारी पूजनीया

श्रीमती तारा देवी

ध.प.स्व श्री रतन लाल छाबड़ा का आकस्मिक निधन 17-07-24 को हो गया है। तीये की बैठक 19-07-24 को प्रात: 8.00 बजे भट्टारक जी की नसियां नारायण सिंह सर्किल पर रखी गई है। बैठक के पश्चात घड़ियों का दस्तूर होगा।

शोकाकुल

शांति देवी,पदम - कांता (देवर- देवरानी) कैलाश, अशोक- उर्मिला, भानु,राकेश- साधना ,अनिल (पुत्र- पुत्र वधू), वरुण, विनय (पौत्र), प्रेम लता, मदन लाल (बहन- बहनोई) विमला - विनोद , शोभा -शेखर , मंजू - अशोक (पुत्री- दामाद), रानू - अनुज , अदिति -दीपेश , अणिमा - प्रशांत , अपूर्वा - देवांश (पौत्री- दामाद), अमित - रानू, रोहित - साक्षी, गुंजन - मिलिंद, रुनझुन - प्रियेश (दोहिते- दोहिती), एवं छाबड़ा परिवार।

पीहर पक्ष : पदमा देवी, भाग चंद, कमल चंद, महावीर,ज्ञान चंद एवं पहाडिया परिवारं

राष्ट्रीय संत आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ का 21 जुलाई रविवार को भीलवाड़ा में मंगल प्रवेश

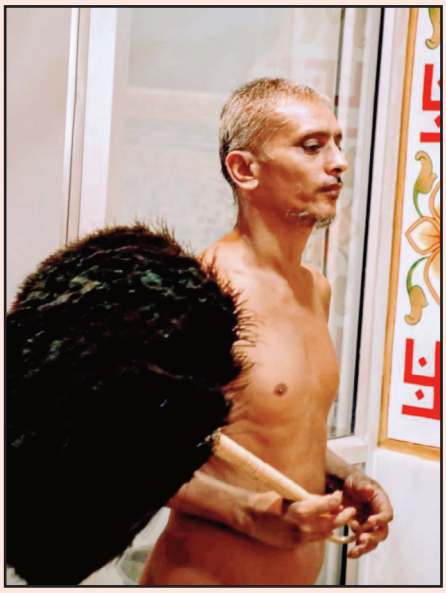

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सम्मति सागर जी महाराज के परम पूज्य दिव्य तपस्वी राष्ट्रीय संत आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ का 29वां चातुर्मास 2024 के लिए 21 जुलाई रविवार को मंगल प्रवेश भीलवाड़ा शहर में होगा। मीडिया प्रभारी भागचन्द पाटनी ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ दिनांक 21.07.2024 को प्रातः 8 बजे महाराणा प्रताप सभागार (टाउन हॉल) नगर परिषद् में प्रवेश होगा। उसके पश्चात आचार्य श्री का भीलवाड़ा की जनता के लिए प्रवचन होगा। समाज एवं महिला मण्डलों द्वारा कलशों से अगवानी की जायेगी। समाज द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा की जायेगी। महिला मण्डल द्वारा बैंड बाजों से अभिवादन किया जायेगा। सभागार से शोभायात्रा जुलूस के साथ सुपार्श्वनाथ मंदिर में चातुर्मास हेतु प्रवेश होगा, जगह-जगह तोरण द्वार, बैनर, जैन ध्वजा सजाये जायेगें। हाइड्रोलिक पुष्प वर्षा की जायेगी, जगह-जगह पाद पक्षालन एवं आरती की जायेगी। समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि चातुर्मास की समस्त तैयारियां की जा रही है। मंत्रोच्चार विधि से दिन में 1 बजे से सूर्य महल में चातुर्मास कलश स्थापना होगी। नियमित प्रवचन एवं शंका समाधान सुपार्श्वनाथ पार्क में होगें। सुपार्श्वनाथ पार्क में पाण्डाल व मंदिर जी को सजाया गया। इस अवसर पर भीलवाड़ा शहर के अलावा कई राज्यों से श्रद्धालु की सहभागिता रहेगी। इनके संघ में 24 पिच्छी संत एवं साध्वियां है।

चातुर्मास के लिए मरुधर ज्योति मणिप्रभा श्रीजी म.सा.आदि ठाणा–23 का मोहनबाड़ी जैन मंदिर में प्रवेश आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। गलता गेट स्थित मोहनबाड़ी जैन मंदिर परिसर स्थित नवनिर्मित ऋषभ जिन प्रासाद की मार्गदर्शिका मरुधर ज्योति मणिप्रभा श्रीजी म.सा.आदि ठाणा–23 का चातुर्मास के लिए मंगल प्रवेश जुलूस के साथ शुक्रवार को होगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत इस मौके पर सुबह नौ बजे सूरजपोल गेट से मोहनबाड़ी तक जुलूस निकलेगा। जैन श्वेतांबर खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद लोढ़ा और संघमंत्री देवेंद्र कुमार मालू ने बताया कि इस मौके पर दादा गुरुदेव की पूजा, गुरुवर्या को बधान का कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रम होंगे। रोजाना स्वाध्याय, प्रभु की पूजा, व्याख्यानमाला कार्यक्रम, बालशिविर सहित अन्य कार्यक्रम होंगे। प्राचीन स्थापत्यकला से सुशोभित ऋषभ जैन प्रासाद में रोजाना सैकड़ों की संख्या में दर्शनार्थी यहां पहुंच रहे हैं। साध्वी मणिप्रभा के संघ में 28 से लेकर अलग–अलग उम्र की साध्वियां मौजूद है। जिनमें ग्रेजुएशन से लेकर पीएचडी धारी भी हैं। साध्वी मणिप्रभा के सान्निध्य में चार बड़े तीर्थों का निर्माण, 30 मंदिर, दादाबाड़ी, धर्मशालाएं और गोशालाओं का निर्माण हो चुका है। देवेंद्र कुमार मालू ने बताया कि रोजाना देशभर से 100 से 150 श्रावकजन यहां साध्वी संघ की सेवा के लिए मौजूद रहेंगे। 20 जुलाई को प्रवचन और 21 जुलाई को गुरुपूर्णिमा महोत्सव होगा।

रामकथा के बैनर एवं पोस्टर का विमोचन

महामण्डलेश्वर हंसरामजी एवं महन्त बाबूगिरी महाराज के सानिध्य में हुआ विमोचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। धर्मनगरी भीलवाड़ा में 21 से 29 सितम्बर तक श्री रामकथा सेवा समिति के तत्वावधान में होने वाली नौ दिवसीय संगीतमय रामकथा आयोजन के लिए बैनर एवं पोस्टर का विमोचन गुरूवार को हरिशेवाधाम उदासीन आश्रम के महामण्डलेश्वर श्री हंसरामजी महाराज एवं संकटमोचन हनुमान मंदिर के महन्त बाबूगिरी महाराज के सानिध्य में किया गया। हरिशेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर भीलवाड़ा में आयोजित इस कार्यक्रम में हंसरामजी महाराज ने आशीर्वचन प्रदान करते हुए रामकथा की सफलता के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त की। महन्त बाबूगिरीजी महाराज ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए बताया कि मानस मर्मज्ञ राजन महाराज के मुखारबिंद से भीलवाड़ा में पहली बार रामकथा होने जा रही है। रामकथा सेवा समिति के अध्यक्ष गजानंद बजाज ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि समिति के तत्वावधान में सभी भक्तजनों के सहयोग से ये आयोजन होगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज के हर वर्ग को समिति के साथ जोड़ तैयारियां की जा रही है। भगवान राम की भक्ति में होने वाला ये आयोजन एतिहासिक रूप से सफल हो इसके लिए शीघ्र ही आयोजन समिति की बैठक आयोजित कर सदस्यों को अलग-अलग दायित्व भी सौंपे जाएंगे। पोस्टर एवं बैनर का विमोचन करने वालों में समिति के अध्यक्ष गजानंद बजाज, हरीश मानवानी, सांवरमल बंसल, पंडित अशोक व्यास, पूर्व सभापति मंजू पोखरना, पीयूष डाड, कन्हैयालाल स्वर्णकार, राधेश्याम सोमाणी, बद्रीलाल सोमाणी, आशा रामावत, श्यामकुमार डाड, राजेश कुदाल, कैलाश प्रहलादका, पवन पंवार, गोपाल झंवर, कृष्ण गोपाल बंसल, श्यामसुंदर समदानी, सुनील काबरा, सौरभ सोमाणी, महेश जाजू, कमल पहलवान आदि शामिल थे।

रामकथा के लिए चित्रकूटधाम में तैयार होगा विशाल वाटरप्रूफ डोम:

राजन महाराज के मुखारबिंद से होने वाली रामकथा का आयोजन शहर के चित्रकूटधाम में संकटमोचन हनुमान मंदिर पर महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में होगा। रामकथा के लिए हजारों श्रद्धालु बैठ सके ऐसा विशाल वाटरप्रूफ डोम बनाया जाएगा। कथा आयोजन को लेकर शहर में श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। गौरतलब है कि महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में भीलवाड़ा में वर्ष 2022 में ख्यातनाम रामकथा वाचन प्रेमभूषण महाराज के मुखारबिंद से नौ दिवसीय रामकथा का सफल आयोजन हो चुका है। उस आयोजन को मिली अपार सफलता ने भक्तों को फिर से भीलवाड़ा में रामकथा कराने के लिए प्रेरणा प्रदान की।

– निलेश कांठेड़ मीडिया प्रभारी

बच्चो के लिए रंग बिरंबी पोशाक भेंट की गई

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

अजमेर ।लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,लायन अतुल पाटनी एवम पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी के सौजन्य से पहाड़गंज अजमेर का स्लम एरिया जटिया बस्ती आंगनवाड़ी में शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने के लिए आने वाले सभी 26 बच्चो के लिए रंग बिरंबी पोशाक भेंट की गई। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में आंगनवाड़ी सुपरवाइजर अनुराधा दीक्षित, कार्यकर्ता उषा देवी एवम स्वयं सहायता समूह के कोऑर्डिनेटर विजय दीक्षित को सेवा सौंपी जिन्हे स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं एवम बच्चो के अभिभावकों के सम्मुख इन नन्हे मुन्नों को पहनाई गई। क्लब की सेवा पाकर सभी बच्चे खुश नजर आए।

मुनि श्री पावन सागर जी महाराज एवं मुनि श्री सुभद्र सागर जी महाराज ससंघ का दुर्गापुरा में मंगल प्रवेश आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के परम शिष्य मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज ससंघ के चातुर्मास 2024 हेतु दिनांक 19.07.2024 शुक्रवार को प्रातः 8.15 बजे भव्य मंगल प्रवेश होगा। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड व मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि मुनि संघ का विहार श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जवाहर नगर से प्रातः 6 बजे होगा। चातुर्मास 2024 के मुख्य संयोजक कमल छाबड़ा - डॉ वन्दना छाबड़ा ने बताया कि इन्कमटैक्स कालोनी के तिराहे से मुनि संघ की अगवानी कर गाजे बाजे के साथ दुर्गापुरा जैन मंदिर जी में भव्य मंगल प्रवेश बजे होगा।

पिंक डोर बाई बंधन ग्रुप की प्रदर्शनी आज से फोर्ट रेस्टोरेंट में

THE PINK DOOR
By Bandhan
LIFESTYLE AND
RAKHI EXHIBITION
19-20 July 2024
Time: 10 AM to 10 PM
FORT
J.L.N Marg, Malviya Nagar, Jaipur
CONTACT US: 94146 42343

जयपुर. शाबाश इंडिया

पिंक डोर बाई बंधन ग्रुप की 2 दिवसीय प्रदर्शनी राखी व लाइफ स्टाइल प्रथम प्रदर्शनी से दिनांक 19 व 20 जुलाई को फोर्ट रेस्टोरेंट, एस एल मार्ग पर आयोजित की जा रही हैं। बंधन ग्रुप और आयोजक सेफाली जैन, आकांशा जैन ने बाताया कि इस प्रदर्शनी का मकसद छोटे छोटे उद्योग को एक मंच प्रदान करना है ।इस बार जुलाई महीने की पहली, प्रदर्शनी होगी। दूसरी प्रदर्शनी 26-27 जुलाई को मालवीय नगर जैन मंदिर, सेक्टर 3 में तीसरी प्रदर्शनी, 2 से 3 अगस्त को जय क्लब में प्रदर्शनी लगाई जायेगी। प्रदर्शनी में विभिन्न उत्पादों का संग्रह आपको एक साथ एक छत के नीचे मिलेगा। इस प्रदर्शनी में राखी, गृह सज्जा, कपड़े, उपहार वस्तुएं, हाथ से बनी वस्तुएं, आभूषण आदि शामिल हैं। प्रदर्शनी के मुख्य प्रदर्शक अलग-अलग जगहों से आ रहे हैं। गत वर्ष भी तीन जगह पर सफलता पूर्वक आयोजित की जा चुकी है।

जैन धर्म प्राकृतिक धर्म है: आचार्य विमर्श सागर

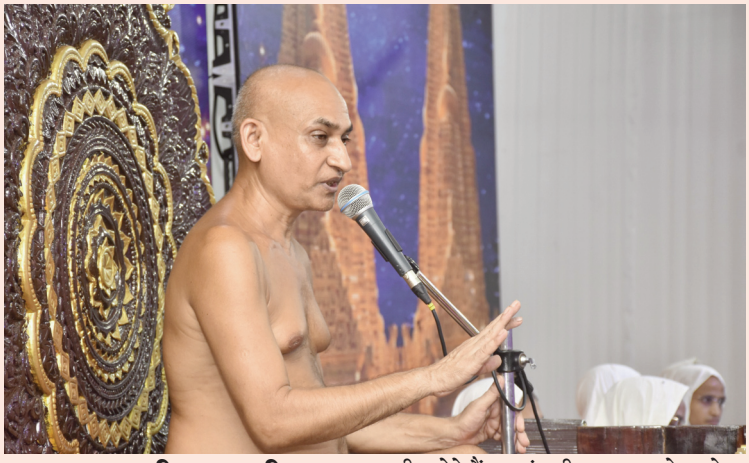

मनुष्य का जीवन पानी की बूंद की तरह

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

नई दल्ली। यह मनुष्य का जीवन पानी की बूंद की तरह होता है नदी, सरोवर, झील की तरह विशाल नहीं है अपितु पानी की बूंद की तरह अल्प है इस अल्प जीवन में मनुष्य की परीक्षा होती है कि वह अपने इस बूंद से जीवन को सागर की तरह विशाल कैसे बनाएं बिरले जीव होते हैं वह बूंद की तरह जन्म लेकर ऐसा महान पुरुषार्थ करते हैं कि बूंद को सागर की तरह बना लेते हैं शेष लोग तो बूंद से जीवन को मिटाकर नई बूंद की तलाश में दुनिया से विदा हो जाते हैं उक्त उदगार परम पूज्य जिनागम पंथ प्रवर्तक आदर्श महाकवि भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज ने कृष्ण नगर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। आचार्य श्री ने कहा कि धर्म के बिना जीवन विष का घूंट है धर्म के बिना मनुष्य का मार्ग प्रशस्त नहीं होता धर्म करने वालों को धर्म के स्वरूप का अनुभव करने वालों को दुनिया में कोई मार नहीं सकता क्योंकि धर्म अमर है और उसी धर्म को उन जीवों ने हृदय में धर्म को बसा रखा है और धर्म कभी मरण को प्राप्त नहीं होता जिसके हृदय में धर्म का वास हो उसे दुनिया में कोई भी ताकत मार नहीं सकती धर्मात्मा जीव मृत्यु को भी मार डालते हैं और अपने अमर तत्व को पर्याय में प्रकट कर लेते हैं अमृत्व आत्मा का स्वभाव है जन्म और मरण आत्मा के स्वभाव नहीं पर्याय का परिणमन है। तीर्थंकर देव ने हमें ऐसे प्राकृतिक धर्म से परिचय कराया है जो हमें प्रकृति के साथ जीना सिखाए वह प्राकृतिक धर्म एक मात्र जैन धर्म है संसार में चारों गतियां में जीव का जन्म होता है तो दिगंबर अवस्था में ही होता है यह दिगंबर जैन मुद्रा प्राकृतिक मुद्रा है इस मुद्रा में कोई बनावटी, दिखावटी और माया के प्रपंचों से सहित कार्य वर्जित है इस धरती पर प्रकृति के साथ अगर कोई जीता है वह दिगंबर संत ही जीते हैं। कार्यक्रम दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्रुत मन्थन चातुर्मास में स्वयं का मंथन का समय : मुनि समत्व सागर

मुनि 108 श्री समत्व सागर जी महाराज, मुनि श्री 108 शील सागर जी महाराज का कीर्ति नगर जैन मंदिर में हुआ भव्य जुलूस के साथ मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रमण मुनि 108 श्री समत्व सागर जी महाराज ने आज कीर्ति नगर जैन मंदिर में मुनि श्री 108 शील सागर जी महाराज के साथ मंगल प्रवेश किया। धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए श्रमण मुनि श्री 108 समत्व सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा की चातुर्मास में स्वयं को और आत्मा को निखारने का अवसर देता है , उन्होंने कहा कि आपने यदि अपने भाव सम्भाल लिये तो आपका भव अपने आप सम्बल जाएगा। अपने भाव हमेशा विशुद्ध रखिये। उन्होंने कहा कि इस चातुर्मास में बारह भावना नामक महान ग्रंथ से आपको भाव सम्भालने के बारे में सिखाया जाएगा। हम जब भी कार्य की और अग्रसर होते है तब कार्य संपादित होता दिखता है । किर्या करने से ही फल मिलता है । उन्होंने कहा की यदि आपने अपने दो कान धर्मसभा में खुल्ले रखेंगे तो आपकी जीवन की दुकान चलती रहेगी। मंदिर अध्यक्ष अरुण काला मटरू ने बताया कि महाराज का प्रातः 6:15 बजे जनकपुरी जैन मंदिर से मंगल विहार यश कीर्ति झुलस के रूप में हुआ, जुलूस में आगे जैन ध्वज के साथ घोड़ी , बैंड एवं भारी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे। महामंत्री जगदीश जैन ने बताया की महाराज श्री का जगह जगह पाद प्रक्षालन किया गया एवम् बरकत नगर में महाराज श्री का मिलन मुनि श्री अर्चित सागर जी महाराज के साथ हुआ । प्रचार मंत्री आशीष बैद ने बताया की महाराज श्री की अगवानी में कीर्ति नगर महिला मंडल एवं पाठशाला के बच्चों द्वारा जगह जगह बहुत ही सुंदर प्रस्तुतियाँ दी गई। कीर्ति नगर में मंगल प्रवेश पर समस्त प्रबन्धकारिणी समिति द्वारा दोनों महाराज का पाद प्रक्षालन किया गया बाद में जुलूस विशाल धर्म सभा में परिवर्तित हुआ । कीर्ति नगर जैन मंदिर के उपाध्यक्ष प्रेम कुमार जैन ने बताया की धर्म सभा का दीप प्रज्वलन और चित्र अनावरण अशोक जैन नेता और महेश काला ने किया । पाद प्रक्षालन का अवसर अशोक चाँदवाड परिवार को मिला और जिनवाणी भेट का अवसर सोभागमल काला परिवार को मिला। मंत्री राजकुमार छाबड़ा और कोषाध्यक्ष सुरेंद्र जैन ने बताया की समारोह की शुरूआत में सांस्कृकित मंत्री राजेंद्र पाटनी ने मंगलाचरण सुनाया । समारोह में अशोक जैन नेता, राजीव गाजियवाद, मनीष बैद , विशाल जैन, पदम् बिलाला महेश काला , भारतभूषण जैन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।